स्वस्थ समाज के लिये स्वस्थ अर्थव्यवस्था जरूरी : आचार्य महाप्रज्ञ

तेरापंथ भवन में धर्मसभा

बीदासर, 9 फरवरी।

सापेक्ष अर्थशास्त्र के व्याख्याकार आचार्य महाप्रज्ञ ने तेरापंथ भवन में श्रीमद् मघवा समवरण में कहा - अर्थ के दो पक्ष हैं उपयोगिता और शुद्धि। परिग्रह और संग्रह के बिना कोई बाजार नहीं चल सकता, लेकिन अर्थ के अर्जन और उपयोग में नैतिकता जरूरी है। आज की समस्याओं में अर्थार्जन में अनैतिकता भ्रष्टाचार शोषण, प्रलोभन प्रमुख है। आदमी जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये नहीं बल्कि होड़ की दौड़ में अव्वल होने के लिये पैसा कमा रहा है। स्वस्थ समाज के लिए स्वस्थ अर्थव्यवस्था की अहम भूमिका है। सुविधा के नाम पर अर्थ का दुरुपयोग सामाजिक शत्रुता है जो देश में दिन ब दिन बढ़ती गरीबी के लिये जिम्मेदार है। मनुष्य यह सोचने लग जाये कि मैं सौ करोड़ का बंगला बना रहा हूं। लेकिन मेरे ही समाज में जीवन बसर कर रहे कुछ लोगों को रोटी भी नसीब नहीं होती ऐसे में मुझे संयम करना चाहिये तो समाज की सौ फिसदी समस्यायें अपने आप समाहित हो जायेगी। आचार्य महाप्रज्ञ ने धर्मसभा में कहा कि समाज में को ऊंचा उठाना है तो अति उपभोग और अनैतिकता के फल फूल रहे जहरीले कांटों को जड़ से उखाड़कर फेंकना होगा और इसका दायित्व अर्थशास्त्र का है। आचार्य महाप्रज्ञ का मानना था कि एक तरफ बड़े उद्योगपति है और दूसरी तरफ गरीबी फेलती जा रही है इसी दूरी से समाज में अपराध और हिंसा का ग्राफ ऊंचा जा रहा है।

महावीर के अर्थशास्त्र का उल्लेख करते हुए राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा - अर्थ की उपयोगिता को स्वीकार करते हुए धर्म और अर्थ के संतुलन पर नया चिंतन करना चाहिये जो समाज में विकास के नये द्वार खोल सकती है।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि मौन शब्द धार्मिक दुनियां में बहुत प्रचलित है, मौन का मतलब है वाणी का संयम। जो लोग वाणी संयम करना नहीं जानते वे अपनी शक्ति का अपव्यय तो करते ही हैं साथ ही व्यवहार जगत में अपने हाथों से अपनी प्रतिष्ठा और पहचान को खो बैठते हैं। बोलने से ज्यादा कहां कब और कैसे? बोलना चाहिए ये विवेक बहुत महत्त्व रखता है। मौन की साधना एक प्रकार की तपस्या है जो कर्म शरीर को प्रकंपित कर आत्मा को अंतिम लक्ष्य मोक्ष की यात्रा में समुन्नत करती है।

कार्यक्रम में प्रमुख अर्थ-ास्त्री व आइआइएलएम के डाइरेक्टर डॉ. अशोक बाफना इवेंट मैनेजर ह्युमन रिर्सोसेस आनन्द सोनी, आइ फील्ड स्पेशलिस्ट मिस्टर अनुज, सुश्री नेहा, नितेश भारद्वाज व अनुश्री शर्मा को आचार्य महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति द्वारा साहित्य भेंट कर सम्मानित किया गया।

रतनगढ़ के विधायक राजकुमार रिणवा ने आचार्य महाप्रज्ञ से आशीर्वाद लिया

बीदासर, 9 फरवरी।

रतनगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजकुमार रिणवा ने सोमवार को तेरापंथ भवन स्थित श्रीमद् मघवा समवसरण पहुंचकर राष्ट्रसंत व प्रेक्षा प्रणेता आचार्य महाप्रज्ञ व युवाचार्य महाश्रमण से आशीर्वाद लिया।

विधायक ने आचार्य महाप्रज्ञ से अहिंसक समाज निर्माण व भ्रश्टाचारमुक्ति व सापेक्ष अर्थशास्त्र समेत कई समसामयिक मुद्दों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

वार्ता के दरम्यान आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि आज देश में गरीबी इसलिए नहीं है कि अर्थ की कमी है बल्कि इसलिए है कि प्रामाणिकता के प्रशिक्षण नहीं हैं समय की मांग है कि नैतिकता के प्रशिक्षण की जिम्मेदारी शिक्षा अपने हाथों में ले। जब तक मन और मस्तिष्क की धुलाई नहीं होगी तब तक भ्रष्टाचार मिटाने के चाहे कितने ही नारे लगा दिये जायें या धुंआ धार भाषण दे दिया जाये अच्छे परिणाम की कल्पना करना बेमानी होगी। आचार्यश्री ने रिणवा को अणुव्रत से जुड़ने एवं व्यापक कार्य करने की नसीहत दी।

युवाचार्य महाश्रमण ने रिणवा को संयीमत जीवन शैली जीने की प्रेरणा दी।

वार्ता के बीच राजकुमार रिणवा ने आचार्य श्री की प्रेरणा को शिरोधार्य करते हुए नैतिक जीवन जीने का संकल्प लिया।

इस मौके पर रावतमल, अशोक कुमार, सुखदेव, शिशुपाल समेत कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

- अशोक सियोल
99829 03770